

दिनांक 09.01.2016

प्रेस रिलीज

नागरिकों ने मेट्रो की तरफ पतंगबाजी नहीं करने की सलाह मानी

जयपुर मेट्रो के मानसरोवर से चाँदपोल मार्ग में रेल संचालन के लिए 25000 वोल्ट बिजली के तारों में लगातार 24 घंटे करंट चालू रहता है। पतंग का मांझा एवं विशेषतः चाईनीज एवं मेटेलिक मांझा यदि इन बिजली के तारों में उलझ जाये तो करंट इस मांझे से सीधे ही पतंग उड़ाने वाले तक पहुंच कर खतरनाक व जानलेवा साबित हो सकता है। 2 जनवरी तक इन मेटेलिक मांझों के कारण 4 बार बिजली ट्रिपिंग के साथ मेट्रो का संचालन भी बाधित हुआ था।

सीमडी निहाल चन्द गोयल ने बताया कि जयपुर के नागरिकों को मेट्रो रूट पर पतंगबाजी के कारण किसी भी दुर्घटना एवं अनहोनी का सामना नहीं करना पड़े तथा मेट्रो संचालन भी सुचारू रह सके इसके लिए प्रोएक्टिव कार्यवाही के तहत 2 जनवरी से अब तक मेट्रो स्टाफ ने मेट्रो रूट पर पड़ने वाले 3400 घरों में जाकर पेंपलेट के साथ उनके रहवासियों को कांउसिल किया। इसी अवधि में न्यू आतिश मार्केट से राम नगर स्टेशनों के प्लेटफार्मों पर भी खड़े होकर विशेष टीम ने मेट्रो रूट की तरफ उड़कर आ रहे 1400 से अधिक पतंगों को देखते ही उन्हें उड़ाने वालों के घरों पर जाकर निवेदन एवं समझाईश से इन्हें नीचे उतारा गया।

मेट्रो की इस विनम्र अपील के कारण गत एक सप्ताह में मेट्रो रूट पर कोई बिजली ट्रिपिंग नहीं हुई तथा मेट्रो सेवा सुचारू चली। मेट्रो प्रबन्धन जयपुर के नागरिकों से आभार के साथ अपेक्षा करता है कि आने वाली मकर संक्रांति तक मेट्रो रूट की तरफ पतंगबाजी नहीं करने का ऐसा ही जनसहयोग उन्हें मिलता रहेगा।

जनसम्पर्क अधिकारी